भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

29.07.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1677 का उत्तर

तिरुपति स्थित रेलवे उप-मंडलीय अस्पताल का उन्नयन

1677. श्री मड्डीला गुरूमूर्ति:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि तिरुपति जिले में स्थित रेलवे उप-मंडलीय अस्पताल पर्याप्त नियमित चिकित्सा कर्मचारियों और आवश्यक चिकित्सा अवसंरचना के बिना कार्य कर रहा है, जिससे रेलवे कर्मचारियों और उनके परिवारों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या तिरुपति से मरीजों को नियमित रूप से अत्यधिक दूरी पर स्थित गुंटकल मंडल अस्पताल में भेजा जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप उपचार में देरी हो रही है और अतिरिक्त वित्तीय तथा शारीरिक कठिनाइयां आ रही हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) कर्मचारियों और उनके आश्रितों की बढ़ती संख्या के बावजूद तिरुपति रेलवे अस्पताल का उन्नयन न किए जाने के क्या कारण हैं; और

(घ) अस्पताल को स्वीकृत डॉक्टरों, अर्धचिकित्सीय कर्मचारियों, नैदानिक और विशेषज्ञ सेवाओं से लैस कर सुदृढ़ करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं और किए जाने हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): भारतीय रेल कार्यरत और सेवानिवृत दोनों ही प्रकार के रेल कर्मचारियों के साथ उनके पात्र आश्रितों को भी बृहद स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराती है। ये स्वास्थ्य सुविधाएँ रेल

स्वास्थ्य संस्थानों के एक नेटवर्क के माध्यम से मुहैया कराई जाती हैं। वर्तमान में, भारतीय रेल में 582 स्वास्थ्य इकाइयाँ और 128 रेलवे अस्पताल मौजूद हैं।

इन रेल अस्पतालों में रेल लाभार्थियों को बृहद स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने के लिए अवसंरचना, आवश्यक चिकित्सीय उपकरण और प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मचारियों की आवश्यकता है। उप-मंडल रेलवे अस्पताल, तिरुपति में उपलब्ध अवसंरचना सहित स्वास्थ्य सुविधाएं रेल लाभार्थियों की स्वास्थ्य सेवा की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।

उप-मंडल रेलवे अस्पताल, तिरुपति द्वारा सुरक्षात्मक, प्रोत्साहक, उपचारात्मक, औद्योगिक और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ मुहैया कराई जाती हैं। द्वितीयक एवं तृतीयक चिकित्सा की जरूरतमंद वाले मरीजों को सर्वोत्तम नैदानिक देखभाल सुनिश्चित करने के लिए पैनलबद्ध निजी अस्पतालों में रेफर किया जाता है। उप-मंडल रेलवे अस्पताल तिरुपति द्वारा रेल लाभार्थियों को विशेषीकृत उपचार उपलब्ध कराने के लिए 08 निजी अस्पताल पैनलबद्ध किए गए हैं। जब भी आवश्यकता हो, मामला-दर-मामला आधार पर विशेषज्ञ चिकित्सों की सेवाएँ भी ली जाती हैं।

नई चिकित्सा सुविधाएं स्थापित करना और मौजूदा स्वास्थ्य सुविधाओं का उन्नयन करना एक सतत् प्रक्रिया है, जो लाभार्थियों की आवश्यकताओं तथा चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में होने वाले विकास पर निर्भर करता है।

भारतीय रेल के आकार, स्थानिक वितरण और परिचालनिक महत्ता को ध्यान में रखते हुए चिकित्सीय कार्मिक पदों सहित सभी प्रकार के पदों का रिक्त होना और उन्हें भरा जाना एक सतत् प्रक्रिया है। नियमित परिचालन, प्रौद्योगिकीय परिवर्तन, यांत्रिकीकरण और नवोन्मेष की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त जनशक्ति प्रदान की जाती है। रिक्तियों को परिचालनिक एंव प्रौद्योगिकीय आवश्यकताओं के अनुसार मुख्यतः रेलवे द्वारा भर्ती एजेंसियों को मांग-पत्र भेजकर भरा जाता है।

रेल मंत्रालय के लिए भारतीय रेल स्वास्थ्य सेवा (आईआरएचएस) में भर्ती, संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के माध्यम से की जाती है। भारतीय रेल एक केंद्रीय सरकारी संगठन होने के नाते, अराजपत्रित कार्मिकों की भर्ती अखिल भारतीय आधार पर करती है।

भारतीय रेल आयुर्विज्ञान में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) द्वारा संचालित स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम का हिस्सा बनकर चिकित्सा शिक्षा में भी योगदान देता है। इस कार्यक्रम के तहत रेलवे और गैर-रेलवे दोनों क्षेत्र के डॉक्टरों के लिए स्नातकोत्तर डिप्लोमा, डॉक्टरेट और फैलोशिप चिकित्सा पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

भारतीय रेल ने अब रेलवे अस्पतालों से जुड़े स्नातकोत्तर स्वास्थ्य संस्थान स्थापित करने का निर्णय लिया है। यह भारत में विशेषज्ञ चिकित्सीय पेशेवरों की संख्या बढ़ाने में और अधिक योगदान प्रदान करेगा। पहला संस्थान उत्तर रेलवे केंद्रीय चिकित्सालय, नई दिल्ली में शुरू किया गया है।

******